राष्ट्रीय डेरी विकास बोर्ड

थनैला नियंत्रण के सरल उपाय

शीघ्र पहचान • सरल उपचार

अपने गाय-भैंसों को स्वच्छ शेड में रखें तथा दूध दुहने के स्वच्छ तरीके अपनाएं।

आसान परीक्षण

सीएमटी

दूध या थन में किसी प्रकार का परिवर्तन दिखने से पहले आरंभिक अवस्थाओं (उप-नैदानिक थनैला) में थनैला की पहचान करने में सीएमटी/मास्टेक्ट स्ट्रिप सहायक है।

किफायती उपचार

ट्राई सोडियम सिट्रेट

एलो वेरा
हल्दी चूना मिश्रित लेपन

- **यदि पशु को प्रतिदिन 10 ग्राम की दर से 10 दिन तक ट्राई सोडियम सिट्रेट पीने के पानी में दिया जाता है तो उप-नैदानिक थनैला से संबंधित मामलों में कमी आती है, जिसका उपचार न किए जाने से दूध उत्पादन में कमी आती है तथा यह नैदानिक थनैला के रूप में विकसित हो सकता है।**
- **परंपरागत चिकित्सा पद्धति (एलो वेरा हल्दी चूना मिश्रित लेप) के प्रयोग से नैदानिक मामलों को प्रबंधित करने में मदद मिलती है तथा एंटीबायोटिक के प्रयोग में कमी आती है।**

तेल आधारित

पानी आधारित

थनैला के लिए पारपंरिक पशु चिकित्सा पर वीडियो देखने हेतु
अपने एंड्रॉइड फोन से क्यूआर कोड स्कैन करें

स्वस्थ थन, उत्तम दूध, समृद्ध किसान